विश्व कुष्ठ दिवस (वर्ल्ड लेप्रोसी डे)

30.01.2021

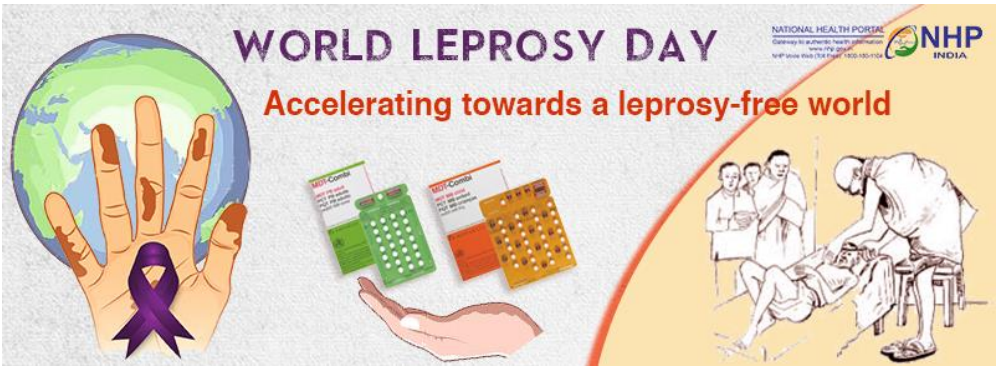

विश्व कुष्ठ दिवस हर साल जनवरी के आखिरी रविवार को मनाया जाता है। यह कुष्ठ रोग को भारत से खत्म करने के लिए हमारे लगातार प्रयास को बढ़ावा देता है। WHO के अनुसार विश्व में सबसे ज्यादा कुष्ठ रोगी भारत मे है- 120,334 (2017-18).

<u>कुष्ठ रोग (लेप्रोसी) क्या है?</u>

- **कुष्ठ रोग एक कीटाणु, माइकोबैक्टीरियम लेप्री के कारण होने वाली एक लम्बी संक्रामक बीमारी है।**
- **यह रोग मुख्य रूप से त्वचा, हाथ-पैर के नसों, ऊपरी सांसनली और आंखों को प्रभावित करता है।**

<u>यह बीमारी कैसे फैलती है?</u>

संक्रमित व्यक्ति (जिसका इलाज़ नहीं हुआ हो) खाँसने-छींकने (नाक / मुंह से निकलने वाली बूंदों से) → **सांस की नली के माध्यम से कीटाणु जीव स्वस्थ शरीर में प्रवेश करता है** → **कीटाणु नसों और त्वचा को संक्रमित करता है (इलाज न होने पर स्थायी रूप से बिकलांगता का कारण बन सकता है)**

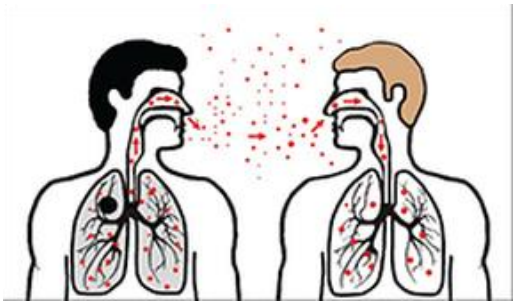

कुष्ठ रोग के लक्षण:

- त्वचा पर धब्बे (हलके रंग) व उस जगह सुन्नपन
- हाथ या पैर में सुन्नपन या झुनझुनी
- हाथ, पैर या आँखों में कमजोरी महसूस होना
- चेहरे या कानों में सूजन या गांठ
- हाथों या पैरों पर बिना दर्द घाव

लक्षण आने पर क्या करें?

- यदि आप को उपरोक्त कोई लक्षण हे तो तुरंत नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर डॉक्टर को दिखायें
- लेप्रोसी का इलाज सभी सरकारी स्वास्थ केंद्र में मुफ्त उपलब्ध हैं

याद रखें:

- ✓ कुष्ठ रोग इलाज योग्य है ।
- ✓ नियमित रूप से ली जाने वाली मल्टी ड्रग थेरेपी (एमडीटी) कुष्ठ रोग का पूर्ण इलाज सुनिश्चित करता है, इस रोग से होने वाली विकृति को रोकता है और दूसरों में यह संक्रमण फैलने से भी रोकता हैं।
- ✓ कुष्ठ वंशानुगत नहीं है; यह माता-पिता से बच्चों में नहीं होता है।
- ✓ आम स्पर्श जैसे- हाथ मिलाने, साथ खेलने व एक जगह काम करने से कुष्ठ रोग नहीं फैलता है।
- ✓ कुष्ठ रोग पिछले पापों या अनैतिक व्यवहार का परिणाम नहीं है। यह एक कीटाणु के कारण होता है।
- ✓ कुष्ठ रोग से प्रभावित लोगों के साथ कोई भेदभाव ना करें व पूरा सम्मान दें।